CHAPTER 19, काव्य-घर में वापसी[धूमिल]

PAGE 178, अभ्यास

11:19:1: प्रश्न-अभ्यास:1

1. घर एक परिवार, परिवार में पाँच सदस्य हैं, किंतु कवि पाँच सदस्य नहीं उन्हें पाँच जोड़ी आँखें मानता है। क्यों?

उत्तर- कवि अपने परिवार में पाँच सदस्यों संख्या पांच के स्थान पर पांच जोड़ी आँखे कहता है। क्योंकी कवि के परिवार के सदस्य आँखों के मदद से ही एक दुसरे की बातों को समझ लेते है। किसी को अपना दुःख कहने की जरुरत नहीं होती है सभी एक दुसरे का दुःख और दर्द आँखें देखकर समझ जाते है। इसलिए कवि अपनी कविता में परिवार के सदस्यों को पांच जोड़ी आँखे कहता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

11:19:1: प्रश्न-अभ्यास:2

2. 'पत्नी की आँखें आँखें नहीं हाथ है, जो मुझे थामे हुए हैं' से कवि का क्या अभिप्राय है?

उत्तर- कवि अपनी पत्नी की आँखों को हाथ कहता है। वह कहते है की पत्नी की आँखे उसे एक हाथ के भांति सहारा प्रदान करती है। पत्नी अपनी आँखों के माध्यम से कवि का आत्मसम्मान बनाये रखती है। कवि कहते है की उसकी पत्नी की आँखे विषम परिस्थितियों में साथ देती है तथा सही दिशा का ज्ञान कराती है।

11:19:1: प्रश्न-अभ्यास:3

3. 'वैसे हम स्वजन हैं, करीब हैं .... क्योंकि हम पेशेवर गरीब हैं' से कवि का क्या आशय है? अगर अमीर होते तो क्या स्वजन और करीब नहीं होते?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर- कवि के इन पंक्तियों में गरीबी तथा अमीरी का रिश्तों पर पड़ने वाले प्रभाव का वर्णन करते है। तुलनात्मक सन्दर्भ में कवि कहते है कि यदि गरीबी के कारण रिश्तो के बीच में तनाव उत्पन्न होता है तो अमीरी रिश्तों के मध्य दरार उत्पन्न कर देती है। अगर सभी आमिर हो तो एक दुसरे के धन के लालच में रहेंगे जबकि गरीबी में सभी के मध्य तनाव है परन्तु उनके रिश्तो में आत्मीयता अभी भी उपस्थित है।

PAGE 179, अभ्यास

11:19:1: प्रश्न-अभ्यास:4

4. 'रिश्ते हैं; लेकिन खुलते नहीं'- कवि के सामने ऐसी कौन सी विवशता है जिससे आपसी रिश्ते भी नहीं खुलते हैं?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर- 'कवि ने रिश्तो के नहीं खुलने की लाचारी को बताया है। कवि का परिवार अत्यंत गरीब है जिसके कारण उनके रिश्तो के मध्य तनाव है। परिवार के सदस्य एक दुसरे के सामने नहीं जाते है जिसके कारण आपस में बातचीत बंद है। इन सबके कारण परिवार के सदस्यों के मध्य मधुरता कम हो गयी है। एक साथ रहने के बाद भी वे एक-दुसरे से अपने मन की बातें नहीं कह पाते है।

11:19:2: योग्यता-विस्तार:1

5. घर में रहनेवालों से ही घर, घर कहलाता है। पारिवारिक रिश्ते खून के रिश्ते हैं फिर भी उन रिश्तों को न खोल पाना कैसी विवशता है। अपनी राय लिखिए।

उत्तर- मेरे विचार में यह सत्य है कि घर में रहने वालों लोगो के कारण ही घर को घर कहा जाता है। घर में रहने वाले लोंगो के मध्य रक्त सम्बन्ध

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

होता है जिसे कोई चाहकर भी समाप्त नहीं कर सकता है। परिवार की गरीबी सभी सदस्यों के मध्य तनाव उत्पान कर देती है परन्तु सबके मध्य एक आत्मीयता उपस्थित होती है। घर के लोंगो को एक दुसरे से शिकायत अवश्य होगी परन्तु सभी के मन में दुसरे के लिए प्रेम हमेशा रहेगा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in